Sl.No. :

नामांक Roll No.

No. of Questions – 14

No. of Printed Pages – 07

SS–26–Raj. Sah.

यहाँ से काटिए

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2017

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2017

राजस्थानी साहित्य

(RAJASTHANI SAHITYA)

समय : 3¼ घण्टे

पूर्णांक : 80

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

परीक्षार्थियों सारु सामान्य निर्देश :

1) परीक्षार्थी सबसूं पैली आपरै प्रस्न पत्र माथै नामांक जरूर लिखे।

2) **सगळा** सवाल करना जरूरी है।

3) हरेक सवाल रौ पड़ूत्तर उत्तर पुस्तिका में ईज लिखणो है।

4) जिण सवाल रा अेक सूं अधिक भाग है तो वां सगळा रा उत्तर अेक साथै लगातार लिखौ।

5) लेखन मांय सुद्धता अर वैज्ञानिक विवेचन करियां ज्यादा अंक दिरीजैला।

6) वर्तनी, व्याकरण अर सुलेख रौ विसेस ध्यान राखौ अर ओपतौ पड़ूत्तर देवौ।

7) पड़ूत्तर राजस्थानी भासा में ईज देवणा है।

8) पूर्णांक अर प्रस्नांक ठावी ठौड़ अंकित है।

यहाँ से काटिए

Downloaded from www.cclchapter.com

1) नीचै लिख्या गद्यावतरणां री सप्रसंग व्याख्या करो :

क) स्वामीजी रो माथो अेकदम घूमग्यो, बै अेक ही बात कैवता फिरै म्हारी संस्था बिगड़गी। म्हूं आदमी बणाणै सारु आ साधना करी, अठै तो हैवान त्यार होव'ण लागग्या अर बै आपरी कुटिया सूं निकळग्या, संस्था सूं निकळग्या। बीं नगर सूं निकळग्या, गाडी में बैठग्या, चालता रह्या। वांरै मन में शांति कोनी, चैन कोनी, शांति ढूंढता फिरै, गांव–गांव, नगर–नगर। [4]

अथवा

देश बदळ्यां सूं कांई आदमी रो मन बदळ जावै? संस्कार, संस्कृति खांणपाणं, आदतां, वेशभूषा, मानता, सोच, जिन्दगाणी, जीवण रो तरीको। घणी बातां होवै जिकी आदमी रा खून मांय रची बसी होवै। पीढ्यां बीत जावै पण अै बातां नीं बदळे। भारत सूं गिया लोग रैवता मॉरीशस में हा पण वांरै मन में हिन्दुस्तान बसतो हो।

Downloaded from www.cclchapter.com

ख) दुनियां सांच रो डंको पीटै, पण सांच बोल्यां किसो पार पड़ै है? कूड़ रा मन तो कूड़ ही साजै। जठै सांच बोल्या माथा फूट जावैं, उमर भर रो बैर बिस जावै, बठै कूड़ सूं राजी–राजी काम नीसरै। कूड़ इसो अमोघ सस्तर है जिको ओड़ी बगत में आडो आवै। **[4]**

अथवा

कहणी सोच–सोच अर करणी संतोल–संतोल। कहणी अर करणी ताखड़ी रा दो पालड़ा, अर चिंतवणी इण री डांडी। इण ताखड़ी में मिनख रा लोक अर परलोक तुलीजै। करणी में काण राखै सो स्याणौ नहीं काणो। करणी में ले– दे बराबर रैवै तो बिणज–बेपार धरम री लीक चलै। पण आजकल तो सै ही दद्धो बण्या बिना ही गोदी में लल्यो खिलायो चावै।

Downloaded from www.cclchapter.com

ग) स्वामीजी म्हानै अेक कूणै में लेयग्या अर बठै म्हारै सागै बैठग्या। गहरी मून। बठै सूं हरद्वार री लाम्बी-लाम्बी डूंगरिया नै गंगारी आंटी-बांडी धारावां दीखती ही। आभैकांनी निजर न्हांख नै बै बोल्या,-''तू लेखक है, तनै अेक कहाणी सुणाऊं। सांची कहाणी। तूं जाणतो होवैला कै इण अनास्था रै जुग में जद नास्तिकता रो जोर है, मिनख अेक कूड़ी खुसी रै लारै गैलो हो रैयो है। थोथी भागवानी करै हैं, आपरै लोगां रै बीच रैय नै खुद नै पिछाणै कोनी अणजाण मानै। तिरलोकी रै नाथ नै खुली गाळ्यां काढै। [4]

अथवा

सूरज री पवित्तर अर नूंबी किरणां जद उण रै घर रै पळ्ळो लगायो तद भानो जाग्यो। बैं आळस मरोड़'र चुटकी बजाई। अनुभव कर्‌यो कै बो घणो निरोग हुयग्यो है। अेक नई जिंदगी उण रै मांयनै बड़गी है। बै घणै अनुराग सूं माधै नै हेलो पाड्‌यो ''माधा, ओ माधा!'' बो उणरो उथळो सुव्यां पैलां ईज आंगण में आग्यो। सन्नूड़ो आंगण में ऊभो हो। उठा नै गोदी में लेपनै फेर कैयो, ''अरै तूं म्हारै सामै क्यूं नीं आवै? कित्ता बरसां रै पछै थारो भाई आयो है।''

Downloaded from www.cclchapter.com

2) 'सूरज री मौत' कहाणी में अमीर री अमीरी अर गरीब री गरीबी रो वरणन है अर मारमिक दुखांत है। इण कथन नै ध्यान राखतां लेखक री दी नै स्पष्ट करो। [4]

3) ''ऊंट की बैणा'' लिछमी किण भांत बणी भांड'र। लिखौ। [4]

4) 'साहित्य जीवन नै ऊंचो उठावै; उणनै उदात्त बणावै' निबंधकार रै इण बिचारां सूं आप कठै तांई सहमत हो? विगतवार समझावौ [4]

5) उपन्यास रा तत्त्वां रै आधार माथै 'हूं गौरी किण पीव री' उपन्यास री समीक्षा करो। [4]

6) नुंवी कविता पैलां री कविता सूं साव अलायदा है कांई? समझावो। [6]

7) नीचै लिख्या विषयां मांय सूं किणी अेक विषय माथै राजस्थानी भासा में निबंध लिखो – [6]

i) राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य धारा

ii) फूटरो भारत बणाणैं में म्हारो योगदान

iii) किणी जातरा रो वरणन

iv) म्हारो व्हालो (प्रिय) लेखक।

Downloaded from www.cclchapter.com

8) नीचै लिख्यां पद्यांसां री सप्रसंग व्याख्या करो।

क) जावौ नागणी नाग वैगो जगाड़ौ,

अठै मांडसां आज बेहूं अखाड़ौ।

रढीजै इसा मात आगै रढाळा,

चवीजै नहीं बोल, ऐ काळ चाळा। [5]

अथवा

सहणी सब री हूं सखी, दो उर उलटी दाट।

दूध लजाणौ पूत तिम, वळय लजाणौ नाह।।

हेली! की अचरज कहूं, कंत परां बळिहार।

घर में देखूं दोय कर, रण में होय हजार।।

ख) अस चढणा!

हेकलो प्रण पाळ चढ़यौ

लियण घण मूंगी रतन–धरा।

सैलां भकभोळियौ अरियां समंद,

ढळी ऊमरां,
अस ढळीया,

पण अस रो असवार नंह ढळियौ।। [5]

अथवा

आज उणमणी होगी मौळी

किण रै माथ लगांऊ रोळी

भांग बादळा सगळै घोळी

किण रै आगै मांडू झोळी

बाबौ बाटी बुरै अंगीठी, छांनै काढै चेलौ रे,

चालण हाळा चाल अेकलौ, जग रो तो मन मैलौ रे!

Downloaded from www.cclchapter.com

9) 'सीताराम चौपई' रै अंस 'सीता–रावण संवाद' रौ सार लिखौ। [5]

10) ''संकरदान सामौर साचा अरथां में अेक निरभीक राष्ट्रीय कवि हा।'' इण कथन नै सिद्ध करो। [5]

11) ''बिरखा बींनणी कविता में जनजागरण रा सशक्त रचनाकार रेवतदान चारण रो नवोइ रूप सामै आवै'' इण कथन नै मांड'र लिखो। [5]

12) कवि काव्य सिरजण क्यूं करै? काव्य रो प्रयोजन स्पष्ट करो। [5]

13) त्रोटक (तोटक) छंद री विसेसतावां उदाहरण साथै लिखो। [5]

14) 'श्लेष' अलंकार री परिभाषा अर उदाहरण लिखो। [5]

● ● ●

Downloaded from www.cclchapter.com

DO NOT WRITE ANYTHING HERE

Downloaded from www.cclchapter.com